



शलललेख और प्रस्तर अभललेख





# शिलालेख और प्रस्तर अभिलेख



## सोहगौरा ताम्रलेख (Sohgaura Copper Plate)

- ⊕ स्थिति - सोहगौरा, गोरखपुर (UP)
- ⊕ उल्लेख - अकाल राहत प्रयास
- ⊕ भाषा - प्राकृत\*
- ⊕ विशेषताएँ - मौर्य वंश
  - ⊕ सबसे प्रारंभिक ज्ञात ताँबे की प्लेट
  - ⊕ (दुर्लभ) पूर्व-अशोक ब्राह्मी शिलालेख

## अशोक के अभिलेख

- ⊕ स्थिति - पूर्वी भारत
- ⊕ उल्लेख - धर्म के प्रति अशोक का दृष्टिकोण (बौद्ध दर्शन)
- ⊕ भाषा - मगधी प्राकृत\*
- ⊕ विशेषताएँ - 33 शिलालेख (स्तंभ शिलालेख, प्रमुख प्रस्तर अभिलेख, लघु शिलालेख)
  - ⊕ बौद्ध धर्म का पहला मूर्त प्रमाण
  - ⊕ अशोक देवनामपियदस्सी के रूप में "भगवान के प्रिय सेवक"

## रुम्मिनदेई स्तंभ अभिलेख

- ⊕ स्थिति - लुंबिनी, नेपाल
- ⊕ उल्लेख - अशोक की लुंबिनी यात्रा और वहाँ दी गई कर छूट
- ⊕ लिपि - ब्राह्मी
- ⊕ विशेषताएँ - लघु स्तंभ शिलालेख

## प्रयाग-प्रशस्ति (इलाहाबाद स्तंभ)

- ⊕ स्थिति - इलाहाबाद किला (पहले कौशांबी)
- ⊕ उल्लेख - अशोक स्तंभ लेकिन 4 अलग-अलग शिलालेखों के साथ
- ⊕ लिपि - ब्राह्मी
- ⊕ 4 शिलालेखों में शामिल हैं-
  - ⊕ सामान्य अशोकन शिलालेख
  - ⊕ रानी कौर्विकि अभिलेख
  - ⊕ हरिषेण द्वारा समुद्रगुप्त की विजय का उल्लेख
  - ⊕ जहाँगीर के शिलालेख फारसी में

## महरौली शिलालेख (महरौली लौह स्तंभ)

- ⊕ स्थिति - कुतुबमीनार परिसर, दिल्ली
- ⊕ उल्लेख - वाकाटक और वंग (Vanga) देशों की विजय का श्रेय चंद्रगुप्त द्वितीय को दिया जाता है।
- ⊕ लिपि - ब्राह्मी
- ⊕ विशेषताएँ - गुप्त वंश
  - ⊕ चंद्रगुप्त द्वितीय द्वारा विष्णुपद के रूप में स्थापित स्तंभ (भगवान विष्णु के सम्मान में)
  - ⊕ जंग प्रतिरोधी धातु संरचना हेतु उल्लेखनीय।

## कालसी शिलालेख

- ⊕ स्थिति - कालसी नगर (उत्तराखंड)
- ⊕ उल्लेख - प्रशासन, अहिंसा, आध्यात्मिकता में अशोक का मानवीय दृष्टिकोण
- ⊕ भाषा - प्राकृत\*
- ⊕ विशेषताएँ - उत्तर भारत में एकमात्र स्थान, जहाँ अशोक के 14 शिलालेख मौजूद हैं।

## मस्की शिलालेख

- ⊕ स्थिति - मस्की (कर्नाटक में एक पुरातात्विक स्थल)
- ⊕ उल्लेख - धर्मशासन (बौद्ध सिद्धांतों को बढ़ावा देता है)
- ⊕ भाषा - प्राकृत\*
- ⊕ विशेषताएँ - पहला शिलालेख जिसमें पियदस्सी के स्थान पर अशोक का नाम है।

## कलिंग अभिलेख

- ⊕ स्थिति - कलिंग, ओडिशा
- ⊕ उल्लेख - कलिंग युद्ध अशोक के लिये निर्णायक मोड़
- ⊕ भाषा - मगधी प्राकृत, लिपि - ब्राह्मी
- ⊕ विशेषताएँ - 14 शिलालेखों में से 11 का समूह
  - ⊕ शांति का संकेत देने वाले 2 विशेष प्रस्तर अभिलेख
  - ⊕ अशोक ने दिग्विजय (Digvijaya) को छोड़ दिया, अहिंसा और बौद्ध धर्म अपनाया

## ऐहोल अभिलेख

- ⊕ स्थिति - मेगुती मंदिर, कर्नाटक
- ⊕ उल्लेख - पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्द्धन को पराजित किया
- ⊕ भाषा - संस्कृत; लिपि - कन्नड़
- ⊕ विशेषताएँ - चालुक्य विजय → पल्लव
  - ⊕ राजधानी: ऐहोल → बादामी
  - ⊕ रविकीर्ति (पुलकेशिन द्वितीय के दरबारी कवि) द्वारा लिखित

चालुक्यों की पहली राजधानी ऐहोल थी

## हाथीगुंफा अभिलेख (हाथी गुंफा शिलालेख)

- ⊕ स्थिति - उदयगिरि-खंडगिरि गुंफाएँ, ओडिशा
- ⊕ उल्लेख - जैन धर्म के समर्थक राजा खारवेल का इतिहास
- ⊕ भाषा - प्राकृत\*
- ⊕ विशेषताएँ - महामेघवाहन वंश

नोट: यहाँ \* का तात्पर्य यह है कि जहाँ भाषा प्राकृत है, वहाँ लिपि ब्राह्मी है।



Drishti IAS



और पढ़ें: [मौर्य कला और स्थापत्य](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/inscriptions-and-rock-edicts>

